

अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती (स्वायत्त)

दो वर्षीय एम.ए.डिग्री प्रोग्राम हिंदी में (कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

एम.ए.-I (हिंदी) सेमेस्टर-II

हिंदी विभाग

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(2023-24)

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2023 पैटर्न) (एनईपी 2020 के अनुसार) शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से लागू किया जायेगा कार्यक्रम का शीर्षक: प्रथम वर्ष कला (हिंदी)

प्रस्तावना

अनेकांत एजुकेशन सोसायटी के तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में उल्लिखित दिशानिर्देशों और प्रावधानों को शामिल करते हुए जून, 2023 से विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रम को बदलने का निर्णय लिया है। एनईपी सामान्य (अकादमिक) शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल पर आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देकर समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का परिचय देता है जो छात्रों में रुचि विकसित करने में मदद करेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण हिंदी और संबंधित विषयों को विकसित हिष्टिकोण को ध्यान में रखकर, तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती-पुणे के हिंदी अध्ययन मंडळ ने ए म.ए.(हिंदी) के द्वितीय सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया है। जो पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे है। पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 दिशानिर्देशों के साथ संरेखित किया गया है तािक यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे।

हिंदी विषय की उपाधि छात्रों को ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित करती है जो कैरियर को पूरा करने के लिए आवश्यक है। हिंदी में स्नातक छात्रों को ज्ञान प्रदान करने के साथ स्वस्थ मनोविनोद एवं मनोरंजन की शिक्षा देना, हिंदी भाषा-शैली से अवगत कराना, हिन्दी साहित्य एवं भाषा के प्रति अनुराग का विकास करना, जीवन के प्रति यथार्थता एवं स्वाभाविकता का बोध कराना, आदर्श जीवन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, विचार , कल्पना शक्ति, तर्क शक्ति का विकास करना, भावनात्मक तथा चारित्रिक गुणों को विकसित करना, सामाजिकता एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना, साहित्य का अन्तिम उद्देश्य सत्यं -शिवं-सुंदरं की प्राप्तिकरना आदि मानवीय तथा नैतिक मूल्यों को विकसित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशते हैं।

कुल मिलाकर, एनईपी 2020 के अनुसार हिंदी पाठ्यक्रम को संशोधित करना सुनिश्चित करता है कि छात्रों को प्रासंगिक, व्यापक शिक्षा मिले और उन्हें आज की गतिशील बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह उन्हें समाज में सार्थक योगदान देने और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

PSO1.इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा की प्रारंभिक स्तर से अबतक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

PSO2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावसायिक पक्षों को भी जाना जा सकेगा।

PSO3.3च्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका और उससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।

PSO4.छात्र हिंदी भाषा सीखने की प्रक्रिया में भाषागत व्याकरणिक रूप को जान सकेंगे।

PSO5. व्यवसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा , अनुवाद, कंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से जोडकर रोजगार के लिए आवश्यक योग्यता का विकास किया जा सकेगा।

PSO6.साहित्य की कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

PSO7.साहित्य के सौंदर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना।

PSO8. लेखन के माध्यम से छात्रों में लेखन कौशल विकसित होगा।

PSO9.छात्रों में मानवीय मूल्यों को विकसित करना।

PSO10.छात्रों में शोध के प्रति जागरूकता को बढ़ा सकेंगे।

PSO11. सोशल मीडिया के माध्य मों से छात्र परिचित होंगे , जिससे लेखन , निवेदन कौशल विकसित कर उन्हें रोजगार का स्अवसर प्रदान होगा।

PSO13.छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद का बढ़ते महत्व से परिचित होंगे।

PSO14.छात्र लघु फिल्म का लेखन और निर्माण कर सकेंगे।

PSO15.हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइटों का प्रयोग की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

PSO16.छात्र निवेदन कौशल के माध्यम से आकाशवाणी, दूरदर्शन पर रोजगार के सुअवसर प्राप्त कर पाएंगे ।

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

	Program Outcomes (POs) for M.A. Programme
PO1	अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव: वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	प्रभावी नागरिकता और नैतिकता : सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता
PO3	और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों। सामाजिक क्षमता और संचार कौशल: समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	अनुशासनात्मक ज्ञान : पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता : परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना : सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	पर्यावरण और स्थिरता : सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान: अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पाश्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(2022-23 से 2024-25 तक)

अ.क्र.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. प्रदीप सरवदे	अध्यक्ष एवं विभाग प्रमुख
2.	डॉ. प्रतिभा जावले	सदस्य
3.	डॉ. नितिन धवडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
4.	डॉ. अपर्णा कुचेकर	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
5.	डॉ. राजेंद्र श्रीवास्तव	प्रोद्योगिकी प्रतिनिधि
6.	डॉ. मनोहर जमदाडे	भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि
7.	डॉ. राजेंद्र खैरनार	निमंत्रित प्रतिनिधि
8.	डॉ. संदीप पवार	सदस्य
9.	प्रा. ऐश्वर्या वाघमारे	सदस्य
8.	कु. पूजा अदागले	छात्र प्रतिनिधि
9.	कु. रजनी पवार	छात्र प्रतिनिधि

Credit Distribution Structure for M.A.-I2023-2024 (Hindi)

Year	Lev	Sem.	Major	Research	OJT/	R	Cu	Degr	
(2 Year PG)	el	(2 Yr)	Mandatory	Electives	Methodology (RM)	FP	P	m. Cr.	ee
		Sem-I	HIN-501-MJM – प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो और रहीम) (Credit 04) HIN -502-MJM - आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी) (Credit 04) HIN -503-MJM- भारतीय साहित्यशास्त्र (Credit 04) HIN -504-MJM- अनुवाद : स्वरुप एवं व्यवहार (Credit 02)	HIN -511- MJE विशेष साहित्यकार - कबीर (Credit 04)	HIN -521-RM अनुसंधान प्रविधि (Credit 04)			22	PG Diplo ma
1	6.0	Sem- II	HIN -551-MJM - मध्ययुगीन हिंदी काव्य (जायसी, बिहारी, भूषण) (Credit 04) HIN -552-MJM- हिंदी नाटक और रंगमंच (Credit 04) HIN -553-MJM - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र (Credit 04) HIN -554-MJM-साहित्य और पटकथा लेखन (Credit 02)	HIN -561- MJE विशेष विधा - हिंदी उपन्यास (Credit 04)		HIN -581- OJT/ FP Credi t 04		22	(after 3 Year Degr ee)
	Cum. Cr. For PG Diploma		28	8	4	4		44	

Course Structure for M.A.-I,Hindi (2023 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
	Major (Mandatory)	HIN-501- MJM	प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो और रहीम)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -502- MJM	आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)	Theory	04
I	Major (Mandatory)	HIN -503- MJM	भारतीय साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -504- MJM	अनुवाद : स्वरुप एवं व्यवहार	Theory	02
	Major (Elective)	HIN -511- MJE	विशेष साहित्यकार - कबीर	Theory	04
	Research Methodology (RM)	HIN -521- RM	अनुसंधान प्रविधि	Theory	04
			Total Credits	Semester I	22
	Major (Mandatory)	HIN -551- MJM	मध्ययुगीन हिंदी काव्य (जायसी, बिहारी, भूषण)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -552- MJM	हिंदी नाटक और रंगमंच	Theory	04
II	Major (Mandatory)	HIN -553- MJM	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -554- MJM	साहित्य और पटकथा लेखन	Theory	02
	Major (Elective)	HIN -561- MJE	विशेष विधा - हिंदी उपन्यास	Theory	04
	On Job Training (OJT)/Field Project (FP)	HIN -581- OJT/FP	On Job Training/Field Project relevant to the major course.	Training/ Project	04
		•	Total Credits		22
			Cumulative Credits Seme	ster I and II	44

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.-I] SEMISTER - II

Major - मध्ययुगीन हिंदी काव्य(जायसी, बिहारी तथा भूषण)

PAPER CODE :HIN-551-MJM [2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme : M.A. Hindi Program Code : MAHIN Class : M.A. -I

Semester : II

Course Type : Major Mandatory

Course Name : मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(जायसी, बिहारी तथा भूषण)

Course Code : HIN-551-MJM

No. of Lectures : 60 No. of Credits : 04

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

- 1. हिंदी के भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
- 2. तत्कालीन प्रम्ख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना।
- 3. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।
- 4. मध्ययुगीन कवियों के सामाजिक,धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत कराना।
- 5. साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होंगी ।
- 6. मध्ययुगीन परिस्थितियों से परिचित करना।
- 7. छात्रों को भिक्ति के महत्व को समझाना।

B) अपेक्षित परिणाम(Course Outcomes):

- CO1-मध्ययुगीन कवियों के विचारों को पढ़कर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।
- CO2-मध्यय्गीन कवियों की भाषा से परिचित करना।
- CO3-मध्यय्गीन साहित्य में भिनत के महत्व को समझाना।
- CO4-मध्ययुगीन संस्कृति से परिचित करना।
- CO5-छात्रों में मूल्यों को विकसित करना।
- CO6-मध्यय्गीन वीर काव्य से परिचित करना।
- CO7-छात्रों को मध्यय्गीन प्रेमभाव से परिचित करना।

पाठ्यक्रम

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(जायसी, बिहारी तथा भूषण)

PAPER CODE: HIN-551-MJM

इकाई नं. 1: 1. मध्यकालीन परिस्थितियां।

15 तासिकाएं

- 2. भिनतकाल का सामान्य परिचय।
- 3. रीतिकाल का सामान्य परिचय।

इकाई नं. 2 : अध्ययनार्थविषय:

15 तासिकाएं

- 1. जायसी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
- 2. पद्मावत में प्रेमतत्व।
- 3. पद्मावत में वियोग वर्णन।
- 4.पद्मावत की महाकाव्यात्मकता।

• पाठ्यपुस्तक :

पद्मावत: मलिक मुहम्म्द जायसी

संपादकः वासुदेवशरण अग्रवाल

प्रकाशक - साहित्यसदन, चिरगाँव झाँसी

- 1. मानसरोदक खंड पदक्रम 50,60,61,62
- 2. नखशिख खंड पदक्रम 99,100,101,102
- 3. नागमती वियोग खंड पदक्रम 341 से 344

इकाई नं. 3 : अध्ययनार्थ विषय:

15 तासिकाएं

- 1. बिहारी व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
- 2. बिहारी का शृंगार वर्णन-संयोग और वियोग वर्णन।
- 3. बिहारी की बह्जता।
- 4. बिहारी की काव्यकला।

• पाठ्यपुस्तक :

बिहारी रत्नाकर : श्री. जगन्नाथ 'रत्नाकर'

प्रकाशक : प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, सं. - 2006

ससंदर्भ व्याख्या के लिए दोहे : 1, 22, 25, 32, 38, 46, 67, 73, 76, 94, 121, 192 201, 251, 277, 283, 301, 318, 373, 388, 472, 588, 660, 663, 710

15 तासिकाएं

इकाई नं. 4 :अध्ययनार्थ विषय:

- 1. भूषण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
- 2. भूषण के काव्य में वीररस।
- 3. भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना।
- 4. भूषण की काव्यकला।

• पाठ्यपुस्तक :

रीति काव्यधाराः संपादकः डॉ.रामचंद्र तिवारी/डॉ.रामनरेष त्रिपाठी

प्रकाशक: विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी ससंदर्भ व्याख्या: कवि भूषण के पद: 01 से 10 पद = 10

संदर्भ ग्रंथ:

- 1. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा
- 2. महाकवि जायसी और उनका काव्य डॉ. इकबाल अहमद
- 3. मलिक म्हम्मद जायसी और उनका काव्य डॉ. शिवसहाय पाठक
- 4. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन डॉ. गोविंदत्रिगुणायत
- 5. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
- 6. पद्मावत का काव्य साैंदर्य डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
- 7. हिंदी के प्रतिनिधि कवि डॉ. सुरेश अग्रवाल
- 8. हिंदी के प्राचीन कवि डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
- 9. पद्मावत -वासुदेवशरण अग्रवाल
- 10. काव्यपराग डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
- 11. जायसी का पद्मावत अन्प शर्मा
- 12. बिहारी का तुलनात्मक अध्ययन पं. पद्मसिंह शर्मा
- 13. बिहारी और उनका साहित्य डॉ. हरवंशलाल शर्मा / डॉ. परमानंद शास्त्री
- 14. बिहारी काट्य का मूल्यांकन किशोरीलाल
- 15. षट्कवि: विवेचनात्मक अध्ययन डॉ.ओमप्रकाश शर्मा
- 16. संक्षिप्त भूषण डॉ. भगवानदास तिवारी
- 17. भूषण ग्रंथावली डॉ. विश्वनाथप्रसाद मिश्र

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-I (Sem - II) **Subject**: HINDI

Course: Theory Course Code: HIN-551-MJM

Tittle of Course: मध्यय्गीन हिंदी काव्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or

directrelation

		Programme Outcomes (POs)									
Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9		
Outcomes											
CO 1					2	3					
CO 2					1	3					
CO 3					2	3					
CO 4		3	3								
CO 5		3									
CO 6					2	3					
CO 7					3	3					
CO 8											

Justification for the mapping

PO1: अन्संधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

CO4-मध्यय्गीन संस्कृति से परिचित करना।

CO5-छात्रों में मूल्यों को विकसित करना।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल:

CO4-मध्यय्गीन संस्कृति से परिचित करना।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान:

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1-मध्यय्गीन कवियों के विचारों को पढ़कर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO2-मध्यय्गीन कवियों की भाषा से परिचित करना।

CO3-मध्यय्गीन साहित्य में भिक्त के महत्व को समझाना।

CO6-मध्यय्गीन वीर काव्य से परिचित करना।

CO7-छात्रों को मध्यय्गीन प्रेमभाव से परिचित करना।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO1-मध्ययुगीन कवियों के विचारों को पढ़कर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होंगी।

CO2-मध्ययुगीन कवियों की भाषा से परिचित करना।

CO3-मध्ययुगीन साहित्य में भक्ति के महत्व को समझाना।

CO6-मध्ययुगीन वीर काव्य से परिचित करना।

CO7-छात्रों को मध्ययुगीन प्रेमभाव से परिचित करना।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला [M.A.-I] SEMISTER - II हिंदी नाटक और रंगमंच

PAPER CODE: HIN -552-MJM

[Pattern-2023]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme : M.A. Hindi

Program Code : PAHIN : M.A. - I

Semester : II

Course Type : Theory

Course Name : हिंदी नाटक और रंगमंच

Course Code : HIN -552-MJM

No. of Lectures : 60 No. of Credits : 04

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

- 1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्त्विक स्वरूप का परिचय देना |
- 2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकास क्रम की जानकारी देना |
- 3. विधा विशेष के तात्त्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना |
- 4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना |
- 5. छात्रों को नाटक, रंगमंच से अवगत करना |
- 6. छात्रों में नाटक विधा की रूचि को जन्म देना |
- 7. छात्रों को नाटक विधा का परिचय करना ।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

- CO1- दैनिक जीवन में औपचारिक-अनौपचारिक अवसरों पर उपयोग की जा रही भाषा की समझ होगी |
- CO2- पढ़ीसुनी रचनाओं को जानना, समझना, अभिव्यक्त, करने में सहायता मिलेगी
- CO3- अपने स्तरानुकूल दृश्य, श्रव्य माध्यमों की सामग्री पर अपनी राय देने की प्रवृत्तिविकसित होगी |
- CO4-साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ बनना और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेगी |
- CO5- छात्रों में नाट्यकला की रूचि निर्माण करके नाट्यकार का विकास होगा |
- CO6- रोजगार की दृष्टि से नाटक तकनीकी पक्ष की समझ होगी |
- CO7- छात्रों को नाटक, रंगमंच से अवगत होंगे |

पाठ्यक्रम

हिंदी नाटक और रंगमंच

PAPER CODE: HIN-552-MJM

इकाई नं.1:

1) हिंदी रंगमंच का विकास : परिभाषा, स्वरूप तथा तत्त्व 15 तासिकाएं

2) हिंदी नाटक विधा का विकास

इकाई नं.2:

1) डॉ. शंकर शेष : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

15 तासिकाएं

- 2) पाठ्यपुस्तक : फंदी डॉ. शंकर शेष प्रकाशक : पराग प्रकाशन , 3/114 कर्ण गली, विश्वास नगर शाहदरा, दिल्ली-32
- 3) फंदी नाटक का अध्ययन

इकाई नं.3:

1) आठवा सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

15 तासिकाएं

- पाठ्यपुस्तक :आठवा सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा प्रकाशक :राधाकृष्णप्रकाशन प्रा.लि. 2/38 अंसारी मार्ग, दिरयागंज दिल्ली- 3
- 3) आठवा सर्ग नाटक का अध्ययन

इकाई नं.4:

15 तासिकाएं

- 1) तत्त्वों के आधार पर फंदी नाटक की समीक्षा
- 2) फंदी में चित्रित समस्याएं
- 3) फंदी नाटक की प्रासंगिकता
- 4) तत्त्वों के आधार पर आठवा सर्ग नाटक की समीक्षा
- 5) आठवा सर्ग में चित्रित समस्याएं
- 6) आठवा सर्ग नाटक की सार्थकता

संदर्भ ग्रंथ:

- 1. हिंदी रंगकर्म: दशा और दिशा- डॉ. जयदेव जनेजा
- 2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच- डॉ. जयदेव तनेजा
- 3. समकालीन हिंदी नाटकों में खंडित व्यक्तित्व अंकन- डॉ. टी. आर. पाटिल
- 4.आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता- डॉ. सत्यवती त्रिपाठी
- 5. हिंदी नाटक: आज- कल- डॉ. जयदेव तनेजा
- 6. सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक रमेश गौतम
- 7. य्गबोध और हिंदी नाटक- डॉ. सरिता वशिष्ठ
- 8. नव्य हिंदी नाटक- डॉ. सावित्री स्वरूप
- 9. उत्तर शती का हिंदी साहित्यः संपा : डॉ. सुरेशकुमार जैन
- 10. साठोत्तरी हिंदी नाटकों में युगचेतना- डॉ. विजया गाढवे
- 11. दलित नारी विषयक साठोत्तर हिंदी नाटक: डॉ. प्रतिभा जावळे
- 12. आध्निक हिंदी नाटक चरित्र के आयाम- डॉ. लक्ष्मी राय
- 13.हिंदी नाटक आजतक- डॉ. वीणा गौतम

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern) Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-I (Sem - II) Subject: HINDI

Course: Theory Course Code: HIN -552-MJM

Tittle of Course: हिंदी नाटक और रंगमंच

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or

directrelation

	Programme Outcomes (POs)									
Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	
Outcomes										
CO 1					2	3				
CO 2					2	3				
CO 3					3	3				
CO 4					1	3				
CO 5					2	3				
CO 6					2	3				
CO 7					1	3				
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: अन्संधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव:

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल:

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1-दैनिक जीवन में औपचारिक-अनौपचारिक अवसरों पर उपयोग की जा रही भाषा की समझ होगी

CO2-पढ़ी-स्नी रचनाओं को जानना, समझना, अभिव्यक्त, करने में सहायता मिलेगी।

CO3-अपने स्तरान्कूल दृश्य, श्रव्य माध्यमों की सामग्री पर अपनी राय देने की प्रवृत्ति विकसित होगी।

CO4-साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ बनना और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेगी |

CO5-छात्रों में नाट्यकला की रूचि निर्माण करके नाट्यकार का विकास होगा |

CO6-रोजगार की दृष्टि से नाटक तकनीकी पक्ष की समझ होगी |

CO7-छात्रों को नाटक, रंगमंच से अवगत होंगे |

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO1-दैनिक जीवन में औपचारिक-अनौपचारिक अवसरों पर उपयोग की जा रही भाषा की समझ होगी | CO2-पढ़ी-स्नी रचनाओं को जानना, समझना, अभिव्यक्त, करने में सहायता मिलेगी|

CO3-अपने स्तरानुकूल दृश्य, श्रव्य माध्यमों की सामग्री पर अपनी राय देने की प्रवृत्ति विकसित होगी।

CO4-साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ बनना और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेगी |

CO5-छात्रों में नाट्यकला की रूचि निर्माण करके नाट्यकार का विकास होगा |

CO6-रोजगार की दृष्टि से नाटक तकनीकी पक्ष की समझ होगी |

CO7-छात्रों को नाटक, रंगमंच से अवगत होंगे |

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला [M.A.-I] SEMISTER - II पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

PAPER CODE: HIN-553MJM

[Pattern - 2023]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A. (w. e. from June, 2023)

Name of the Programme : M.A. Hindi

Program Code : PAHIN

Class : M.A. - I

Semester : II

Course Type : Theory

Course Name : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

Course Code : HIN-553MJM

No. of Lectures : 60 No. of Credits : 04

A) उद्देश्य (Course Objectives):

- 1. छात्रों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र का परिचय देना |
- 2. छात्रों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के विकास क्रम का परिचय देना ।
- 3. छात्रों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना ।
- 4. छात्रों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतोंमें साम्य- वैषम्य समझाना ।
- 5. छात्रों को नई समीक्षा के सिद्धांतों का ज्ञान कराना ।
- 6. छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारानाओं का परिचय देना ।
- 7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के दवारा छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना |

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

- CO1- छात्र पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे |
- CO2- छात्र साहित्य और पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे |
- CO3- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी |
- CO4- छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होंगे।
- CO5- छात्र पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के विविध विदवानों से परिचित होंगे ।
- CO6- छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारानाओं का परिचय होगा
- CO7- छात्रों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतोंमें साम्य- वैषम्य को समझेंगे |

पाठ्यक्रम

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

PAPER CODE: HIN-553MJM

इकाई नं.1:

15 तासिकाएं

- 1) प्लेटो :काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत,
- 2) अरस्त् के काव्य सिद्धांत,
- क) अनुकरण सिद्धांत : अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना |
- ख) विरेचन सिद्धांत : स्वरुप विवेचन, विरेचन का महत्व, त्रासदी विवेचन |

इकाई नं.2:

15 तासिकाएं

1) उदात्त सिद्धांत :

उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग और बहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान |

इकाई नं.3:

15 तासिकाएं

- 1) आई. ए. रिचर्ड्स का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, आई. ए. रिचर्ड्स का योगदान |
- 2) इलियट का निर्वेयिक्तकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरुपता सिद्धांत : इलियट का निर्वेयिक्तकता संबधी अवधारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरुपता सिद्धांत, इलियट का योगदान |

इकाई नं.4: विविध वाद सामान्य परिचय :

15 तासिकाएं

प्रतीकवाद, बिंबवाद, अभीव्यंजनावाद, अस्तित्त्ववाद, यथार्थवाद, संरचानावाद, विखंडनवाद, उत्तरआधुनिकता- (केवल स्वरूप विवेचन तथा महत्व)

संदर्भ ग्रंथ:

- 1. अरस्तू का काव्यशात्र डॉ. नगेन्द्र
- 2. समीक्षा लोक- डॉ. भगीरथ मिश्र
- 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिंद्धांत- डॉ. कृष्णदेव शर्मा
- 4.पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
- 5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिंद्धांत- डॉ. शांति स्वरूप गुप्त
- 6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: अधुनातन संदर्भ डॉ. सत्यदेव मिश्र
- 7. पाश्चात्य साहित्य सिंद्धांत: एक विश्लेषण- डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
- 8. आलोचना के आधुनिकतावाद और नई समीक्षा- डॉ. शिवकरण सिंह
- 9. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद- सुधीश पचौरी
- 10. तुलनात्मक साहित्य शास्त्र- डॉ. विष्णु दत्तराकेश

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-I (Sem - II) Subject : HINDI

Course: Theory Course Code: HIN-552 MJM

Tittle of Course: पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or

directrelation

	Programme Outcomes (POs)										
Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9		
Outcomes											
CO 1					2	3					
CO 2					2	3					
CO 3	3							3			
CO 4					3	3					
CO 5					3	3					
CO 6								3			
CO 7					2	3					
CO 8											

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO3- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी |

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1- छात्र पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे |

CO2- छात्र साहित्य और पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे |

CO4- छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होंगे |

CO5- छात्र पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के विविध विद्वानों से परिचित होंगे |

CO7- छात्रों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतों में साम्य- वैषम्य को समझेंगे |

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

- CO1- छात्र पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे |
- CO2- छात्र साहित्य और पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे |
- CO4- छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होंगे |
- CO5- छात्र पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के विविध विद्वानों से परिचित होंगे |
- CO7- छात्रों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतों में साम्य- वैषम्य को समझेंगे |

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

- CO3- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी |
- CO6- छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारानाओं का परिचय होगा |

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.-I] द्वितीय सत्र [SEMISTER – II]

MJM-साहित्य और पटकथा लेखन

PAPER CODE :HIN-554-MJM [2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2023)

Name of the Programme : M.A. Hindi

Program Code : MAHN
Class : M.A. -I

Semester : II Course Type : MJM

Course Name : साहित्य और पटकथा लेखन

Course Code : HIN-554-MJM

No. of Lectures : 30 No. of Credits : 02

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

- 1. छात्रों को पटकथा से परिचित कराना।
- 2. छात्रों को पटकथा लेखन कौशल से अवगत कराना ।
- 3. छात्रों में लेखन और वाचन कौशल की वृद्धि कराना।
- 4. छात्रों को पटकथा लेखन के विविध स्रोत और उसके विविध प्रकारों से परिचित कराना।
- 5. छात्रों को रोजगार की उपलब्धि की दृष्टि से पटकथा लेखन के महत्व को समझाना।
- 6. छात्रों की सृजनात्मक शक्ति विकसित करना।
- 7. पटकथा लेखन की विभिन्न शैलियों को समझाना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):

- CO1-छात्रों को पटकथा और सामान्य कथा के मूलभूत अंतर से परिचित कराना।
- CO2-छात्र पटकथा लेखन कौशल से परिचित होंगे
- CO3-छात्रों में लेखन और वाचन कौशल की वृद्धि होंगी।
- CO4-छात्र हिंदी में पटकथा -लेखन के तकनीकी पक्षों से परिचित हो जायेंगे।
- CO5-छात्र टी.वी. सिरिअल और सिनेमा के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
- CO6-छात्र पटकथा लेखन कौशल से प्रशिक्षित होंगे।
- CO7-आकाशवाणी, दूरदर्शन, टी.वी. चैनलों के लिए वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री), धारावाहिक, लघु फिल्मों आदि के लिए पटकथा तैयार कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम

MJM-साहित्य और पटकथा लेखन

द्वितीयसत्र [SEMISTER – II] PAPER CODE :HIN-554-MJM

इकाई - 1. 1. साहित्य अर्थ परिभाषा और स्वरूप।

10 तासिकाएं

- 2. साहित्य और फिल्मांतरण।
- 3.पटकथा : अर्थ परिभाषा और स्वरूप।
- इकाई 2. 1.पटकथा लेखन के विविध स्रोत।

10 तासिकाएं

10 तासिकाएं

- 2.पटकथा की विशेषताएं और गुण।
- 3.पटकथा लेखन के अनिवार्य तत्व।
- इकाई 3. 1. पटकथा लेखन के चरण विचार, घटना, पात्रयोजना, दृश्य विभाजन, संवाद लेखन,क्लाइमेक्स। 2.पटकथा लेखन के प्रकार -फीचर फिल्म की पटकथा, वृत्तचित्र की पटकथा,धारावाहिक की पटकथा,उद्घोषक की पटकथा आदि।
 - 3. प्रत्यक्ष कार्य

संदर्भ ग्रंथ :

- 1.पटकथा लेखन : एक परिचय जोशी,मनोहर श्याम
- 2. पटकथा कैसे लिखें पांडे राजेंद्र
- 3. कथा -पटकथा- मन्नू भंडारी
- 4. पटकथा लेखन फीचर फिल्म उमेश राठौर
- 5. कथा पटकथा संवाद हूबनाथ पाण्डे

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern) Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-I (Sem - II) Subject : HINDI

Course: Theory Course Code: HIN-554 MJM

Tittle of Course: साहित्य और पटकथा लेखन

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or

directrelation

		Programme Outcomes (POs)										
Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9			
Outcomes												
CO 1					2	3						
CO 2					1	3						
CO 3					3	3						
CO 4					3	3						
CO 5					2	3						
CO 6					2	3						
CO 7					2	3						
CO 8												

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता:

CO1-छात्रों को पटकथा और सामान्य कथा के मूलभूत अंतर से परिचित कराना।

CO2-छात्र पटकथा लेखन कौशल से परिचित होंगे

CO3-छात्रों में लेखन और वाचन कौशल की वृद्धि होंगी।

CO4-छात्र हिंदी में पटकथा -लेखन के तकनीकी पक्षों से परिचित हो जायेंगे।

CO5-छात्र टी.वी. सिरिअल और सिनेमा के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

CO6-छात्र पटकथा लेखन कौशल से प्रशिक्षित होंगे।

CO7-आकाशवाणी, दूरदर्शन, टी.वी. चैनलों के लिए वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री), धारावाहिक, लघु फिल्मों आदि के लिए पटकथा तैयार कर सकेंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO1-छात्रों को पटकथा और सामान्य कथा के मूलभूत अंतर से परिचित कराना।

CO2-छात्र पटकथा लेखन कौशल से परिचित होंगे

CO3-छात्रों में लेखन और वाचन कौशल की वृद्धि होंगी।

CO4-छात्र हिंदी में पटकथा -लेखन के तकनीकी पक्षों से परिचित हो जायेंगे।

CO5-छात्र टी.वी. सिरिअल और सिनेमा के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

CO6-छात्र पटकथा लेखन कौशल से प्रशिक्षित होंगे।

CO7-आकाशवाणी, दूरदर्शन, टी.वी. चैनलों के लिए वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री), धारावाहिक, लघु फिल्मों आदि के लिए पटकथा तैयार कर सकेंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता:

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष कला[M.A.-I]SEMISTER – II

Major – विशेष विधा : हिंदी उपन्यास

PAPER CODE :HIN-561-MJE [2023-24]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A. (w. e. from June, 2023)

Name of the Programme : M.A. Hindi Program Code : MAHN Class : M.A. -I

Semester :II

Course Type : Major

Course Name :विशेष विधा : हिंदी उपन्यास

Course Code :HIN-561-MJE

No. of Lectures : 60 No. of Credits : 04

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

- 1.छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना।
- 2.हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना ।
- 3.हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
- 4.हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
- 5.हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषयक दृष्टिकोण का मूल्यांकन कराना।
- 6.उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
- 7.छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढाना।

в) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):

- CO1-छात्र उपन्यास विधा से अवगत होंगे।
- CO2-छात्र उपन्यास विधा की अन्य विधाओं के साथ त्लना करेंगे।
- CO3-छात्रों में मूल्यों को विकसित करना।
- CO4-छात्रों में सर्जक, समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि का विकास होगा।
- CO5-3पन्यास विधा के माध्यम से छात्रों को वास्तविक यथार्थ का ज्ञान होगा।
- CO6-उपन्यासों में चित्रित विभिन्न समस्याओं से परिचित होंगे।
- CO7--मानवी संवेदना से रूबरू कराना।

पाठ्यक्रम

विशेष विधा : हिंदी उपन्यास

PAPER CODE: HIN-561-MJE

इकाई न. 1:

15 तासिकाएं

- 1. उपन्यास की परिभाषा, स्वरूप तथा उपन्यास के तत्व।
- 2. हिंदी उपन्यास का विकासक्रम-प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद युगीन उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास।
- 3. हिंदी उपन्यासों की प्रवृत्तियाँ-सामाजिक, तिलस्मी, जासूसी, राजनीतिक, आँचलिक, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनी परक उपन्यास आदि का अध्ययन।
- 4. उपन्यास की विविध शैलियों का अध्ययन वर्णनात्मक, डायरी, आत्मकथात्मक, पूर्वदीप्ति, चेतना प्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, आदि।

इकाई न. 2: 1. जैनेंद्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

15 तासिकाएं

- 2. 'त्यागपत्र' उपन्यास में चित्रित प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण।
- 3. 'त्यागपत्र' उपन्यास शीर्षक की सार्थकता।
- 4. 'त्यागपत्र' उपन्यास में चित्रित समस्याएं।

अध्ययन के लिए उपन्यास : त्यागपत्र - जैनेंद्रकुमार (प्रकाशक-पूर्वोदय प्रकाशन, मुंबई)

इकाई न. 3: 1. मोहनदास नैमिशराय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

15 तासिकाएं

- 2. 'मुक्तिपर्व' उपन्यास में चित्रित प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण।
- 3. 'मुक्तिपर्व'उपन्यास शीर्षक की सार्थकता।
- 4. 'मुक्तिपर्व' उपन्यास में चित्रित समस्याएं।

अध्ययन के लिए उपन्यास : मुक्तिपर्व -मोहनदास नैमिशराय प्रकाशक-अनुरागप्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

इकाई न. 4: 1. जैनेंद्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

15 तासिकाएं

- 2. 'फाँस' उपन्यास में चित्रित प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण।
- 3. 'फाँस' उपन्यास शीर्षक की सार्थकता।
- 4. 'फाँस' उपन्यास में चित्रित समस्याएं।

अध्ययन के लिए उपन्यास : फाँस - संजीव (प्रकाशक- वाणी प्रकाशन, दिरयागंज, नई दिल्ली)

संदर्भ ग्रंथ: 1. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी

2. उपन्यास : स्थिति और गति - डॉ. चंद्रकांत बंदिवड़ेकर

3. उपन्यास : स्वरुप और संवेदना

4. अम्बेडकरवादी चिंतन और दलित उपन्यास - डॉ. प्रदीप सरवदे

Class: M.A.-I (Sem - II)

Choice Based Credit System Syllabus (NEP 2020 Pattern) **Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes**

Subject: HINDI

Course: Theory Course Code: HIN-561-MJE

Tittle of Course: विशेष विधा: हिंदी उपन्यास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or

directrelation

	Programme Outcomes (POs)									
Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	
Outcomes										
CO 1					3	3				
CO 2								3		
CO 3		3								
CO 4	3							3		
CO 5					3	3				
CO 6			3							
CO 7		3								
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO4-छात्रों में सर्जक, समीक्षा, अन्वाद एवं शोध की दृष्टि का विकास होगा।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता:

CO3-छात्रों में मूल्यों को विकसित करना।

CO7--मानवी संवेदना से रूबरू कराना।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल:

CO6-उपन्यासों में चित्रित विभिन्न समस्याओं से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता:

CO1-छात्र उपन्यास विधा से अवगत होंगे।

CO5-उपन्यास विधा के माध्यम से छात्रों को वास्तविक यथार्थ का ज्ञान होगा।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना:

CO1-छात्र उपन्यास विधा से अवगत होंगे।

CO5-उपन्यास विधा के माध्यम से छात्रों को वास्तविक यथार्थ का ज्ञान होगा।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO2-छात्र उपन्यास विधा की अन्य विधाओं के साथ तुलना करेंगे।

CO4-छात्रों में सर्जक, समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि का विकास होगा।
